हिंदी विभाग

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर (राज) 313001

: पाठ्यक्रम :

बी.ए. हिंदी (पासकोर्स-सी.बी.सी.एस.) 2023

(B.A. Hindi - Pass Course – C.B.C.S. 2023)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित

(Based on National Education Policy 2020)

Level	Sem	Course Type	Course Code	Course Title	Delivery Type			Total Hours	Credits	Assesment		
					L	T	P			Int.	Ext.	Total
5	I	DCC-1	HIN5000T	प्राचीन और मध्यकालीन काव्य	5	1	0	90	6	20	80	100
		AECC-1	HIN5200T	हिंदी भाषा और व्याकरण	2	0	0	30	2	20	80	100
	II	DCC-2	HIN5001T	कथा साहित्य	5	1	0	90	6	20	80	100
Exit with certificate (with 4 exit credit in SEC courses)												
6	III	DCC-3	HIN6002T	आधुनिक काव्य	5	1	0	90	6	20	80	100
	IV	DCC-4	HIN6003T	नाटक एवं निबंध	5	1	0	90	6	20	80	100
		SEC-1	SEH6312T	हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार	2	0	0	30	2	20	80	100
Exit with Diploma												
7	V	DSE-1	HIN7100T	हिंदी साहित्य का इतिहास	5	1	0	90	6	20	80	100
			HIN7101T	राजस्थान के हिंदी रचनाकार	5	1	0	90	6	20	80	100
		SEC-2	SEH7313T	कार्यालयी हिंदी	2	0	0	30	2	20	80	100
	VI	DSE-2	HIN7102T	छायावादोत्तर काव्य	5	1	0	90	6	20	80	100
			HIN7103T	कथेतर गद्य	5	1	0	90	6	20	80	100
		SEC-3	SEH7314T	लोक साहित्य	2	0	0	30	2	20	80	100
Exit with B.A. degree												

DCC-DisciplineCore Course, DSE- Discipline Specific Elective,

SEC- Skill EnhancementCourse, AECC- Ability Enhancement Compulsory Course

B.A. (Three Years Degree Program)	
First Semester	
Subject-Hindi	
Code of the Course	**HIN5000T**
Title of the Course	**प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य**
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 4.5
Credit of the course	6
Type of the course	Discipline Centric Compulsory Course (DCC) in Hindi
Delivery type of the Course	90 Hours. 60 Lectures for content delivery and 15 hours for Tutorials, class activity, case study and 15 hours for formative and Diagnostic Assessment.
Prerequisites	Foundation level (Equivalent to 10+2)
Co-requisites	None
Objectives of the course	• आदिकालीन एवं भक्तिकालीन कवियों द्वारा रचित कविताओं के अध्ययन से विद्यार्थियों में आदिकालीन और मध्यकालीन काव्य की समझ विकसित करना। • विद्यार्थियों में भक्ति साहित्य में वर्णित दार्शनिक चेतना की समझ विकसित करना। • प्राचीन और मध्यकालीन साहित्य में वर्णित मूल्य चेतना और सरोकारों का ज्ञान करना। • सामाजिक एकता अखंडता तथा नैतिक मूल्यों के विकास में प्राचीन और मध्यकालीन साहित्य की भूमिका का ज्ञान कराना। • भक्ति आंदोलन की अवधारणा, परिभाषिक शब्दावली और विचारों पर चिंतन। • रीतिकालीन साहित्य और साहित्यकारों के परिचय और वैशिष्ट्य का ज्ञान कराना।
Learning outcomes	• प्राचीन और मध्यकालीन साहित्य के अध्ययन के माध्यम

	से चिंतन दृष्टि को विकसित हो सकेगी। • हिंदी साहित्यकारों एवं साहित्येतिहास के जीवन से प्रेरणा ग्रहण कर सकेंगे। • प्राचीन और मध्यकालीन साहित्य में वर्णित संवेदना, रचनात्मकता एवं सौंदर्य चेतना से परिचित हो सकेंगे। • प्राचीन और मध्यकालीन साहित्य के सामाजिक और संस्कृतिक संदर्भों में विवेचन–विश्लेषण की समझ विकसित होगी।
Syllabus	
UNIT-I	• **ढ़ोला मारू रा दूहा : नरोत्तम दास स्वामी, सूर्यकरण पारीक** (मारवणी का संदेसा) दोहा संख्या 110, 111, 141 से 155 • **बीसलदेव रास : नरपति नाल्ह**, संपादक : डॉ. माता प्रसाद गुप्त तथा श्री अगरचंद नाहटा, हिंदी परिषद प्रकाशन, इलाहाबाद से पद संख्या 1, 3, 4, 6, 7, 8, 9 एवं 10 गउरिका नंदन त्रिभुवन सार..... (पद संख्या 1) हंस गमणि मृगलोयणी नारि..... (पद संख्या 3) हंस वाहणि देवी करि धरइ वीण..... (पद संख्या 4) भोजराज तणउ मिल्यउ छइ दिवाण..... (पद संख्या 6) पंडित तोहि बोलावइ रे राइ..... (पद संख्या 7) बंभण भाट बोलाविया राउ..... (पद संख्या 8) गढ अजमेरि बसइ रे भुआल..... (पद संख्या 9) दीन्ही सोपारीयउ नइ हरषिय.....(पद संख्या 10) • **विद्यापति : विद्यापति पदावली, सं. शिवप्रसाद सिंह** से चयनित अंश : नंदक नंदन कदम्बेरि तरुतरे..... (पद संख्या 8) सुन रसिया अब न बजाऊ बिपिन बँसिया.... (पद संख्या 9) विरह व्याकुल बदुल तरुतर..... (पद संख्या 26) कुंज–भवन सँ चलि भेलि हे..... (पद संख्या 36)

	सखि हे कतहु न देखि मधाई..... (पद संख्या 55) • **रचनाकारों का व्यक्तित्व–कृतित्व, संकलित अंश से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मकप्रश्न।** **(18 Lectures)**
UNIT -II	• **कबीर : कबीर ग्रंथावली, संपादक : श्यामसुंदर दास से चयनित अंश :** गुरुदेव कौ अंग, मन कौ अंग तथा पद संख्या 1, 2, 3, 23, 39 • **जायसी : जायसी ग्रंथावली, संपादक : आचार्य रामचंद्र शुक्ल से चयनित अंश** सिंहल द्वीप–वर्णन खंड .....(पद संख्या 1 से 5) मानसरोदक खंड ..... (पद संख्या 1 से 7) • **दादू : दादूदयाल, संपादक : परशुराम चतुर्वेदी** से चयनित अंश सुमिरण कौ अंग से प्रथम 20 दोहे विरह कौ अंग से प्रथम 20 दोहे • **रचनाकारों का व्यक्तित्व–कृतित्व, संकलित अंश से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।** **(18 Lectures)**
UNIT-III	• **सूरदास : भ्रमरगीत सार, सं.: आचार्य रामचंद्र शुक्ल से चयनित पद :** कहियो नंद कठोर भए ..... (पद संख्या 02) पथिक ! संदेसो कहियो जाय ..... (पद संख्या 09) आयो घोष बड़ो व्योपारी ..... (पद संख्या 23) उधौ ! मन नाहीं दस बीस ..... (पद संख्या 210) हम तो नंदघोस की बासी ..... (पद संख्या 20) आए जोग सिखावन पाँड़े ..... .(पद संख्या 25) निर्गुण कौन देश को बासी ..... (पद संख्या 64) जोग ठगौरी ब्रज न बिकैहै ..... .(पद संख्या 24) उर में माखन चारे गड़े..... (पद संख्या 95) बिन गोपाल बैरिन भई कुंजै ..... (पद संख्या 85)

	• **तुलसीदास : रामचरित मानस : बालकांड से चयनित अंश** दोहा संख्या 229 से 234 (कंकन किंकिनी ..... छत्रि बाढ़हि प्रीति।) • **तुलसीदास : विनयपत्रिका : गो. तुलसीदास, सं. वियोगी हरि से चयनित अंश** (विनय खंड से पद संख्या 65 से 70 तक।) राम राम रमु ..... (पद संख्या 65) राम जपु, राम जपु ..... (पद संख्या 66) राम–नाम जपु जिय ..... (पद संख्या 67) राम राम राम जीह ..... (पद संख्या 68) सुमिर सनेह सों तू नाम .....(पद संख्या 69) भलो भली भाँति है जो मेरे .....(पद संख्या 70) • **मीरा के चयनित पद :** भज मन चरन कँवल अबिनासी राम रतन धन पायो मैया आली री मेरे नयनन बान पड़ी दरस बिन दूखन लागे नैन बसो मेरे नैनन में नँदलाल • **रचनाकारों का व्यक्तित्व–कृतित्व, संकलित अंश से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।** **(18 Lectures)**
UNIT-IV	• **केशवदास : रामचंद्रिका से रावण–अंगद संवाद।** • **घनानंद : आनंदघन संपादक : रामदेव शुक्ल से चयनित अंश** रैन–दिना घुटिबो करै प्रान ..... (पद संख्या 21) अति सूधो सनेह को मारग है ..... (पद संख्या 32) एरे बीर पौन तेरे सवै ओर गौन ..... (पद संख्या 34) तिहारे कौन कौन गुन गाऊं ..... (पद संख्या 59) भरोसो रावरो हमें ..... (पद संख्या 65) • **बिहारी : बिहारी रत्नाकर : प्रथम 10 दोहे।**

	• रचनाकारों का व्यक्तित्व–कृतित्व, संकलित अंश से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न। **(18 Lectures)**
UNIT-V	• प्राचीन एवं मध्यकाल का परिचयात्मक इतिहास, परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ और कवि एवं रचना परिचय। **(18 Lectures)**
सहायक ग्रंथ Reference Books	1. नगेन्द्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा। 2. रामचन्द्र शुक्ल : हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी। 3. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 4. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 5. डॉ. नवीन नंदवाना : काव्य संचयन, मलिक बुक कंपनी, जयपुर।
Suggested E-resources	• https://epgp.inflibnet.ac.in/ • https://hindisamay.com/ • https://hi.wikipedia.org/ • https://swayam.gov.in/

B.A (Three Years Degree Program)	
First Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN5200T**
Title of the Course	**हिंदी भाषा और व्याकरण**
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 4.5
Credit of the course	2
Type of the course	Ability Enhancement Compulsory Courses (AECC) in Hindi
Delivery type of the Course	30 Hours. 20 Lectures for content delivery and 10 hours for lass activity, case study and for formative and Diagnostic Assessment.
Prerequisites	Foundation level (Equivalent to 10+2)
Co-requisites	None
Objectives of the course	• भाषा के उद्भव तथा विकास को परंपरा तथा व्याकरण के सिद्धांत ज्ञान से अवगत कराना। • विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि विकसित कराना। • विद्यार्थियों को हिंदी व्याकरण ज्ञान से परिचित कराना।
Learning outcomes	• भाषा के उद्भव तथा विकास को समझ सकेंगे। • विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि विकसित होगी और वे आर्यभाषा का विकास और विशेषताएँ जान सकेंगे। • विद्यार्थियों को हिंदी व्याकरण ज्ञान से परिचित होकर भाषा के समुचित प्रयोग में सक्षम हो सकेंगे।
Syllabus	
UNIT-I	**हिंदी भाषा का विकास :** भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएँ, प्राचीन भारतीय आर्यभाषा,

	मध्यकालीन आर्यभाषा काल और आधुनिक आर्यभाषा का विकास और विशेषताएँ, हिंदी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ। **(6 Lectures)**
UNIT -II	**शब्द भेद :** विकारी शब्द : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया। अविकारी शब्द : क्रिया विशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक और निपात। **(6 Lectures)**
UNIT-III	लिंग, वचन, कारक, काल। **(6 Lectures)**
UNIT-IV	संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय। **(6 Lectures)**
UNIT- V	विलोम शब्द, पर्यायवाची शब्द, वाक्यांशों के लिए एक शब्द, शब्द–युग्म, अनेकार्थक शब्द। **(6 Lectures)**
Reference Books	1. भोलानाथ तिवारी : भाषा विज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद 2. डॉ. हरदेव बाहरी : हिंदी : शब्द–अर्थ–प्रयोग, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद 3. डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद : आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, भारती भवन, पटना 4. डॉ. राजेंद्र सिंघवी : सामान्य हिंदी, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर 5. श्याम चंद्र कपूर : व्यावहारिक हिंदी व्याकरण, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
Suggested E-resources	• https://epgp.inflibnet.ac.in/ • https://hindisamay.com/ • https://hi.wikipedia.org/ • https://swayam.gov.in/

B.A (Three Years Degree Program)	
Second Semester	
Subject-Hindi	
Code of the Course	**HIN5001T**
Title of the Course	**कथा साहित्य**
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 4.5
Credit of the course	6
Type of the course	Discipline Centric Compulsory Course (DCC) in Hindi
Delivery type of the Course	90 Hours. 60 Lectures for content delivery and 15 hours for Tutorials, class activity, case study and 15 hours for formative and Diagnostic Assessment.
Prerequisites	Foundation level (Equivalent to 10+2)
Co-requisites	None
Objectives of the course	• हिंदी कहानी के शिल्प विधान की प्रक्रिया का ज्ञान कराना। • कहानी के पठन–पाठन के उपरांत समीक्षात्मक एवं आलोचनात्मक लेखन की ओर प्रवृत्त करना। • कहानी के माध्यम से सामाजिक यथार्थ, मूल्य–संवर्धन एवं सामाजिक विसंगतियों से अवगत कराना। • चयनित हिंदी कथा साहित्य के कथ्य एवं शिल्प विधान की प्रक्रिया को समझाना। • हिंदी कथा साहित्य में चित्रित सामाजिक, ऐतिहासिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक तथा आधुनिक परिवेश में बदलते जीवन मूल्यों का बोध कराना।
Learning outcomes	• हिंदी कथा साहित्य के उद्‌भव, विकास,

	विशेषताएँ और प्रमुख प्रवृत्तियों का विवेचन कर सकेंगे। • संकलित कहानियों और उपन्यास के अध्ययन से विद्यार्थी उनमें निहित मूल्यों की पहचान कर सकेंगे। • संकलित साहित्य के अध्ययन से विद्यार्थी रचनाओं के महत्त्व का आकलन करने में सक्षम हो सकेंगे।
Syllabus	
UNIT-I	**उपन्यास :** दौड़ (ममता कालिया) से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। **(18 Lectures)**
UNIT -II	**कहानियाँ :** टोकरी भर मिट्टी (माधवप्रसाद सप्रे), शतरंज के खिलाड़ी (प्रेमचंद), पुरस्कार (जयशंकर प्रसाद), ताई (विश्वंभरनाथ शर्मा 'कौशिक') और पराया सुख (यशपाल) से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। **(18 Lectures)**
UNIT-III	**कहानियाँ :** शरणदाता (अज्ञेय), खेल (जैनेन्द्र), एक और जिंदगी (मोहन राकेश), अमृतसर आ गया (भीष्म साहनी) और संवदिया (फणीश्वरनाथ रेणु) से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। **(18 Lectures)**
UNIT-IV	**कहानियाँ :** राजा निरबंसिया (कमलेश्वर), अभिमन्यु की आत्महत्या (राजेंद्र यादव), सजा (मन्नू भंडारी), बादलों के घेरे (कृष्णा सोबती) और जिनावर (चित्रा मुद्गल) से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। **(18 Lectures)**

UNIT- V	उपन्यास और कहानी : अर्थ और तत्त्व। हिंदी उपन्यासों का उद्‌भव और विकास। हिंदी कहानी का उद्‌भव, विकास। **(18 Lectures)**
Reference Books	1. गोपालराय : हिंदी कहानी का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 2. नामवर सिंह : कहानी : नई कहानी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 3. मधुरेश : हिंदी कहानी का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 4. गोपालराय : हिन्दी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 5. नगेन्द्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा।
Suggested E-resources	https://epgp.inflibnet.ac.in/ https://hindisamay.com/ https://hi.wikipedia.org/ https://swayam.gov.in/